डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 193 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 29 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

एसआई मनोज गर्ग ने संभाला दलौदा थाने का कार्यभार

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाना प्रभारी बलदेवसिंह चौधरी के स्थानांतरण के बाद दलौदा थाने को नए थाना प्रभारी का इंतजार था। आखिरकार उनकी जगह झारड़ा चौकी का प्रभार संभाल रहे मनोज गर्ग की नियुक्ति की गई। मंगलवार को मनोज गर्ग ने थाने का कार्यभार संभाल लिया।

दुकान में आग लगी, लाखों का नुकसान

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के कयामपुर में एक किराना सहित अन्य सामान की होलसेल दुकान में आग लगने से समूचा सामान जलकर राख हो गया। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणो के अनुसार इस इस आगजनी की घटना में लाखो रूपए का नुकसान हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 04 बजे कयामपुर निवासी कैलाशचंद पिता रामगोपाल मोदी की दुकान में आग लग गई। उनकी घर के नीचे ही किराना सहित अन्य सामान की होलसेल दुकान है। धुआ निकलता देख लोगों को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। करीब दो घंटे तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची। लोगों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने की कोशिश की। लेकिन, यह प्रयास नाकाफी थे। आग विकराल रूप लेती जा रही थी। दुकान के बाहर ऊपर तक आग की लपटे निकल रही थी। इससे घर सहित आसपास भी आग लगने का खतरा बढ़ गया था। सुवासरा से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। तब जाकर आग पर काबू पाया गया। लेकिन, तब तक दुकान का लाखों का सामान जलकर राख हो चुका था। घटना के बाद सीसीटीवी फूटेज भी चेक किए गए। जिसमें करीब 04 बजे लाईट अचानक बंद होते नजर आई। इसके बाद आग लगी।

मामला धरती का सीना चीर रहे नलकूप खनन का...

फिर प्रतिबंध-प्रतिबंध का खेल..!

रात को धड़ल्ले से चल रही मशीनें, सोशल मीडिया चीख-चीखकर दे रहा गवाही

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रपोजल-प्रपोजल, औपचारिकता-औपचारिकता और प्रतिबंध-प्रतिबंध का खेल मानो मंदसौर जिले की नियमावली में बंटवारे के समय ही लाल अक्षरों में लिख दिया गया था। शायद यही कारण है कि नरवाई हो या बिना मुंडेर के कुएं या नलकूप पर प्रतिबंध... हर साल इस खेल को खेला जाता है। नरवाई और बिना मुंडेर के कुएं तो जमीन के साथ लोगों की जान ले रहे हैं। इधर धरती को प्रतिबंध के बावजूद हो रहे नलकूप खनन, पानी सूखा सूखाकर मारने की कोशिश कर रहे हैं। परिणाम लोगों को ही भुगतना पड़ रहा है। एक बार फिर नलकूप खनन पर प्रतिबंध की धज्जियां अधिकारियों को संज्ञान में होते हुए धड़ल्ले से उड़ रही है।

जिले में गर्मी और भूजल स्तर की कमी को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने भूजल संरक्षण के लिए अशासकीय और निजी नलकूप खनन पर 30 जून तक प्रतिबंध लगाया है। अब कलेक्टर व एसडीएम के कार्यालयों से कोई अनुमति भी जारी नहीं हो रही है, फिर भी जिलेभर में लगातार अवैध नलकूप खनन हो रहे हैं। इस बार बरसात अधिक नहीं होने से नीचे जा रहे जलस्तर के चलते खेतों में ज्यादा खनन हो रहे है। जिले की हर विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग ठेकेदार बन गए हैं। कार्रवाई और जांच का अधिकार संबंधित क्षेत्र की पुलिस, पटवारी, तहसीलदार और एसडीएम को है। यही कारण है कि इन सभी की कार्यप्रणाली सवालो के घेरे में है। इसका कारण है कि आम जनता के अलावा अधिकारियों को नलकूप खनन की हर खबर है। सोश्यल मीडिया लगातार चीख चीखकर इसकी जानकारी दे रहा है। इसके बाद भी प्रतिबंध-प्रतिबंध का खेल बदस्तूर इस साल भी जारी है।

पाताल में जा रहा पानी...

मंदसौर जिले में भू-जल स्तर काफी नीचे जाने से जिले की मल्हारगढ, सीतामऊ, मंदसौर व दलौदा तहसीलों में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। इसके चलते कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने 30 जून तक जिले में नलकूप खनन या बोरवेल पर प्रतिबंध लगाया था। इसका सीधा था मतलब है कि जिले में कोई भी व्यक्ति प्रशासनिक अनुमति के बिना खड़े होल मशीन से बोरवेल नहीं करा सकता है। केवल पेयजल की आवश्यकता के लिए विशेष परिस्थितियों में ही अनुमति दी जाती है। जिला मुख्यालय सहित जिले के अधिकांश गांवों में प्रतिदिन खेतों में व व्यावसायिक उपयोग के लिए खनन हो रहा है।

रात में होता खेल...

जिले के लगभग हर थाना क्षेत्र में तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों से आई नलकूप खनन की गाड़ियां हर विधानसभा क्षेत्र में एक निश्चित एजेंट के यहां खड़ी रहती हैं। रात में साहब का इशारा मिलते ही खनन शुरू हो जाता है। प्रशासनिक अधिकारी शिकायत के बाद भी इनको रोकने का काम नहीं कर रहे हैं।

पहले थी 80 रुपये फीट की दर, अब ले रहे 160 रुपये फीट...

जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध को ठेकेदारों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की गुटबंदी ने अपने लिए अवसर में बदल लिया है। जब प्रतिबंध नहीं था, तब जिले में 80 से 90 रुपये फीट में खनन किया जा रहा था। पर, प्रतिबंध के बाद अब 140 से 160 रुपये फीट तक लिए जा रहे हैं। नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर एक ठेकेदार ने बताया कि हमारे पास तो अभी भी 80-90 रुपये ही आ रहे हैं। उम्रर के बचे रुपयों में संबंधित थाना प्रभारी, क्षेत्र के बीट प्रभारी, पटवारी, तहसीलदार सभी का हिस्सा रहता है। इसीलिए रात में चल रहे नलकूप खनन को रोकने कोई नहीं पहुंचता है।

सजा का भी है प्रावधान...

मध्य प्रदेश पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 (संशोधित अधिनियम 2002) के तहत प्रतिबंध का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के नलकूप नहीं खोद सकेगा। नियम का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दोषी को 2000 रुपए का जुर्माना या 2 साल तक की जैल की सजा या फिर दोनों सजाएं दी जा सकती हैं। हालांकि यह प्रतिबंध सरकारी योजनाओं के तहत होने वाले नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा। सरकारी योजनाओं के लिए अलग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है।

भीड़ ने युवक की कलाई काटी

दो बाइक की टक्कर, बाद में समझौता, फिर पहुंचे बदला लेने

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर के रावण रूंडी क्षेत्र में पुराने विवाद को लेकर रविवार रात हथियारबंद युवकों ने एक युवक पर तलवार से हमला कर दिया। घायल महेश नाथ का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है। रात करीब 10 बजे हथियारों से लैस 10-15 युवको की भीड़ दोपहिया वाहनों पर सवार होकर रावण रूंडी पहुंची और महेश नाथ उम्र 27 साल को घेर लिया। नीमच सिटी निवासी अयान पिता सलीम चुम्बा ने महेश नाथ पर तलवार से हमला किया। महेश ने अपने हाथ से वार को रोकने की कोशिश की, जिससे उनकी कलाई गंभीर रूप से कट गई।

घायल महेश को तत्काल बड़े ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही रावण रूंडी और नीमच सिटी से बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। स्थिति तनावपूर्ण होते देख पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और माहौल को नियंत्रित किया। पुलिस ने मुख्य आरोपी अयान को हिरासत में ले लिया है। विश्व हिंदू परिषद के निर्मल देव नरेला, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष दारासिंह यादव, पार्षद रामचंद धनगर सहित कई भाजपा नेता भी सिटी थाने पहुंचे। वहीं, एडीशनल एसपी नवलसिंह सिसोदिया सहित पुलिस व प्रशासन का अमला भी मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया।

किसान के बाड़े में मगरमच्छ, एक घंटे में पकड़ा

मनासा, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। तहसील के जेथली गांव में सोमवार सुबह एक अजीब मेहमान ने दस्तक दी। दरअसल मदनलाल दायमा के घर के बाड़े में एक मगरमच्छ घुस आया। सुबह 5:30 बजे मदनलाल ने वन विभाग के उपवनमंडलाधिकारी दशरथ अखंड को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मनासा की वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने एक घंटे की मेहनत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। मगरमच्छ 4-5 फीट लंबा था और उसका वजन करीब 30 किलो था।

वन विभाग के अनुसार मगरमच्छ पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेस्क्यू के बाद उसे गांधीसागर जलाशय में छोड़ दिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में बीट प्रभारी मनासा और रावतपुरा महेश पाटीदार तथा शासकीय वाहन उड़नदस्ता चालक प्रेम सिंह गौड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उप वनमंडलाधिकारी दशरथ अखंड ने ग्रामीणो की सतर्कता और रेस्क्यू टीम के कार्य की सराहना की। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई वन्यजीव आबादी क्षेत्र में दिखे तो तुरंत सूचना दें। इस घटना से क्षेत्र में वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढी है।

स्व. शराब व्यवसायी के भाई के घर पर दबिश...

मंदसौर में ईडी की आमद

सुबह 05 बजे शुरु हुई कार्रवाई, दिनभर चलती रही, मंदसौर सहित प्रदेश में 18 जगहों पर छापे

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को मंदसौर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आमद दी। जनता कॉलोनी स्थित तत्कालीन शराब कारोबारी स्वर्गीय अनिल त्रिवेदी के छोटे भाई बंटी त्रिवेदी के मकान में ईडी ने छापा मारा। सोमवार को 07 सदस्यीय टीम सुबह 05 बजे उनके घर पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से बंटी त्रिवेदी के घर के बाहर सीआरपीएफ के जवान तैनात रहे। ईडी की टीम कार्यवाही में जुटी रही। अनिल त्रिवेदी की हत्या के बाद उनके पुत्र अंश त्रिवेदी शराब व्यवसाय को संभाल रहे हैं। मंदसौर के अलावा कुल 18 जगहों पर प्रदेश में ईडी ने कार्रवाई की है। इंदौर आबकारी कार्यालय में साल 2015 से 2018 के बीच सरकारी गोदाम से शराब लेने के लिए इस्तेमाल 194 बैंक चालानों में गड़बड़ी सामने आई थी। हजारों के बैंक चालानों को लाखों रुपए का बना कर गोदाम से उतनी ही शराब उठाई गई थी। फिर इसे शराब ठेकेदारों ने अपनी सरकारी शराब की दुकान से बेचा, शिकायत मिलने पर ईडी ने 2024 में जांच शुरू की जो कि अब कार्यवाही में बदलती नजर आ रही है। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई इसी के संबंध में हुई। प्रदेश के भोपाल, इंदौर, रीवा, जबलपुर और मंदसौर में शराब व्यवसायियों के ठिकानों पर ईडी ने छापे मारे हैं। यह मामला आबकारी विभाग के फर्जी एफडी केस से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक भोपाल में एक बड़े कारोबारी के यहां सर्चिंग चल रही है तो इंदौर में अलग-अलग शराब कारोबारी के करीब 18 ठिकानों पर दबिश दी गई है।

कांग्रेस बोली- संजीव ने सरकार के खाते में 22 करोड़ जमा कराए

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी की कार्यवाही के बाद सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने कहा- इंदौर के फर्जी चालान कांड का मुख्य आरोपी एवं सरगना तत्कालीन आबकारी अधिकारी संजीव दुबे है। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू में कई शिकायतों और 10 साल से चल रही जांच के बाद भी भ्रष्ट अधिकारी को मुख्यमंत्री ने जबलपुर में पदस्थ क्यों किया? पोल खुलने के बाद चंदा इकट्ठा कर अधिकारियों ने 22 करोड़ रुपए सरकार के खाते में जमा करा दिए, पर सवाल यह है कि यह धन आया कहां से?

आबकारी उपायुक्त के घर भी छापा...

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी विभाग के उपायुक्त आलोक खरे के भोपाल और रीवा के ठिकानों पर सोमवार सुबह छापेमारी की है। भोपाल में खरे के साथ आबकारी विभाग के एक और अधिकारी के यहां भी सर्चिंग की सूचना है। यह कार्रवाई आबकारी विभाग के फर्जी एफडी मामले से जुड़ी बताई जा रही है। हालांकि अभी तक इस मामले में ईडी की ओर से अधिकृत तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ईडी ने यह कार्रवाई लोकायुक्त छापे के आधार पर शुरू की है। लोकायुक्त पुलिस ने छह साल पहले आलोक खरे के सात ठिकानों पर छापेमारी की थी। इनमें भोपाल में दो, इंदौर में दो, रायसेन में दो और छतरपुर में एक जगह शामिल थी। लोकायुक्त जांच में करीब 100 करोड़ से अधिक की संपति का खुलासा हुआ था। लोकायुक्त की जांच में इंदौर के पॉश इलाके में एक पैंट हाउस और एक बंगला पता चला था। भोपाल के चूनाभट्ठी और बाग मुंगालिया में दो बड़े बंगले और कोलार में फार्म हाउस की जमीन है। रायसेन में दो फार्म हाउस हैं। लोकायुक्त जांच में इंदौर के बंगले से 10 लाख रुपए और रायसेन के फार्म हाउस से पांच लाख रुपए केश मिले थे। सहायक आबकारी आयुक्त खरे का छतरपुर स्थित निवास की कीमत भी करोड़ो रुपए है। खरे के छतरपुर स्थित निवास से विदेशी मुद्रा भी मिली थी। खरे ने अपनी पत्नी के नाम पर रायसेन में फलों की खेती करना बताया था। खरे का भोपाल में बंगला नंबर 45 फेस 1 गार्डन सिटी जाटखेड़ी होशंगाबाद रोड स्थित पर है।

सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटता प्रशासन..!

अतिक्रमण हटाने पहुंचा अमला, कुएं पर मुंडेर लगाने की तैयारी

जावरा के खोजनखेड़ा में एक साथ उठीं 06 अर्थी, बिलख पड़े परिजन

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन ने एक बार फिर उस कहावत का चरितार्थ करने का प्रयास किया, जिसमें कहा जाता है कि 'सांप निकल जाने के बाद उसके निशान की लकीर पीटने क्या लाभ।' करीब-करीब यही कहानी हर बड़े हादसे के बाद मंदसौर में चरितार्थ होती देखी जा सकती है। चाहे नाव पलटने की हो या बिना मुंडेर के कुएं में कोई हादसे की। नारायणगढ हादसे के बाद एक बार फिर वही हुआ। हालांकि आदेश निर्देश तो जारी नहीं हुए, जिसकी जल्द ही संभावना है। लेकिन, अधिकारी सड़क किनारे के अतिक्रमण हटाने पहुंच गए। इसके अलावा एक दर्जन जिंदगी निगलने वाले कुएं की मुंडेर बनाने की तैयारी शुरु हो गई। उधर जावरा के ग्राम खोजनखेड़ा में एक साथ 06 लोगों की अर्थी उठी।

बिना मुंडेर के कुओं को लेकर औपचारिकता का खेल अब तक कई जिंदगियां निगल चुका है। बिना मुंडेर के कुएं में एक दर्जन से ज्यादा हादसे कुछ ही सालों में हुए है। इसमें कई बड़े हादसे शामिल है। हर बार हादसों के बाद प्रशासन औपचारिकता निभाते हुए निर्देश जारी करता है। कुछ दिनों बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। हर बार की तरह इस बार भी प्रशासन थोड़ा बहुत हरकत में आया। जिस कुएं पर हादसा हुआ था, उसकी मरम्मत की तैयारी शुरु कर दी गई। मुंडेर बनवाने के लिए सामान सुबह यहां पहुंच गया। इसके अलावा अनुविभागीय अधिकारी रवींद्र परमार के साथ प्रशासनिक अमला संजीत क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए निकल पड़ा। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

खोजनखेड़ा में गमगीन माहौल...

नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बिना मुंडेर के कुएं में कार गिरने से हुई मौत के मामले में मरने वालों में 08 लोग रतलाम जिले के जबकि, 2-2 लोग उज्जैन और मंदसौर जिले के रहने वाले थे। सोमवार सुबह सभी मृतकों का अंतिम संस्कार अलग-अलग गांवों में एक साथ किया गया। रतलाम जिले के खोजनखेड़ा में 06 अर्थियां एक साथ उठीं तो पिपलिया और सुरजना गांव से एक-एक शवयात्रा निकाली गई। वहीं, 04 अन्य लोगों के अंतिम संस्कार उज्जैन और मंदसौर में किए गए। घरों से अर्थियां निकलते ही परिजन बिलखने लगे। ये देखकर मौके पर मौजूद हर किसी की आंखें नम हो उठीं। इससे पहले रविवार को मंदसौर बड़े अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया था।

शूरवीर मनोहर सिंह के परिवार को नौकरी और मरणोपरांत सम्मान देंगी प्रदेश सरकार

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ क्षेत्र के काचरिया चौपाटी पर हुई हृदय विदारक घटना में कार बग़ैर मुंडेर के कुएं में गिर गई थी। जिसमे 12 लोग काल के ग्रास बन गए थे। इस दुर्घटना में श्री मनोहर सिंह ने अपनी जान पर खेलकर चार लोगों की जान बचाई। लेकिन, खुद जान गंवा बैठे थे। ऐसे बहादुर को मरणोपरांत सम्मान तथा परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिए जाने का निर्णय किया गया हैं। मप्र के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने यह घोषणा की हैं। पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर धन्यवाद देते हुए आभार माना हैं।

सीबीएन द्वारा तौली गई अफीम की जांच 20 दिन में पूरी

दो राज्यों के 50 हजार से ज्यादा अफीम किसानों द्वारा जमा किए गए अफीम दूध की जांची मार्फिन

नीमच/मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। तौल शुरु होन के साथ ही शुरु हुआ अफीम परीक्षण कार्य इस वर्ष रिकार्ड तोड़ समय में पूर्ण किया गया। सबसे बड़ी बात यह है कि इस साल राजस्थान के तीन डिविजनों की अतिरिक्त अफीम का भी परीक्षण नीमच स्थित अफीम फैक्ट्री अर्थात क्षारोद कारखाने में किया गया। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 53 हजार 349 किसानों द्वारा जमा की गई अफीम की मार्फिन जांच की गई। यह कार्य मात्र 20 दिनों में पूर्ण कर लिया गया।

शासकीय अफीम एवं क्षारोद कारखाना नीमच ने फसल वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अफीम तौल केंद्रों से प्राप्त अफीम का परीक्षण ओसीटीए (ओपियम कंटेनर ट्रैकिंग एप्लीकेशन) द्वारा 29 मार्च से प्रारंभ किया था। इस वर्ष राजस्थान इकाई की तीन डिविजनों चित्तौडगढ (एक व दो) एवं भीलवाडा की गाजीपुर जाने वाली अफीम भी नीमच फैक्ट्री पहुंची थी। यहीं अफीम का परीक्षण किया गया। मध्यप्रदेश एवं राजस्थान इकाई की विभिन्न इकाइयों से कुल 53 हजार 349 किसानों की अफीम प्राप्त हुई थी, जो पिछले वर्ष के 36 हजार 771 अफीम किसानों की संख्या से काफी अधिक है।

पिछले वर्ष प्रतिदिन औसतन 2 हजार150 किसानों की अफीम का परीक्षण कर 17 दिनों की अवधि में परीक्षण कार्य पूर्ण किया। इसकी तुलना में इस वर्ष राजस्थान इकाई की 3 डिविजनों की अतिरिक्त अफीम प्राप्त होने के बावजूद प्रतिदिन औसतन 2 हजार 650 किसानों की अफीम का परीक्षण किया गया। यह परीक्षण रिकार्डतोड़ समय 20 दिनों की अवधि में सफलतापूर्वक किया गया। साथ ही इस वर्ष एक दिन में रिकार्ड 4000 किसानों की अफीम का परीक्षण किया गया, जो पिछले वर्ष एक दिन 3400 की तुलना में काफी अधिक है। यह भी अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार के नेतृत्व का परिणाम ही है कि उक्त अफीम परीक्षण का कार्य पूर्ण पारदर्शिता, दक्षता एवं तीव्रता के साथ किया गया। इससे न केवल किसानों को अपनी अफीम का परिणाम अतिशीघ्र प्राप्त हुआ। साथ ही समय पर परीक्षण के नतीजे सामने आने से किसानों में संतुष्टि और खुशी के भाव भी दिखाई दिए।

इनका कहना...

पिछले साल की तुलना में इस साल अफीम काश्तकारों की संख्या काफी अधिक थी। इसके बाद भी मात्र 20 दिन में मार्फिन परीक्षण कार्य पूर्ण किया गया। जल्द अफीम जांच परिणाम जारी होने से किसानों को पूर्व वर्षों मे उत्पन्न शंका एवं बिचौलियों से निजात मिली है। पिछले कुछ वर्षों से विभाग की एक स्वच्छ, पारदर्शी एवं गरिमामयी छवि स्थापित हुई है।

संजय कुमार राव
प्रबंधक शासकीय अफीम एवं क्षारोद कारखाना नीमच

विचार-मंथन

पहलगाम हमले पर सियासी सरहदें टूटीं...

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी। सबसे बड़े विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ लिया। यही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना पड़ता है। विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग पड़ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है। ऐसे में भारत को उसे सबक सिखाने के लिए बहुत ठंडे दिमाग से फैसला करना होगा। पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह उस पर निरंतर दबाव बनाए रखने की जरूरत थी, उस पर फिर से विचार किया जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के मसले पर भारत को दुनिया के अनेक देशों का समर्थन हासिल है, इसलिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को खत्म करने को लेकर रणनीति बनाना महत्वपूर्ण हो सकता है। सर्वदलीय बैठक में सुझाए गए बिंदुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

क्यों पाकिस्तान कर रहा है आतंकवाद फ़ैलाने जैसा गंदा काम?

कमलेश पांडे

जब अंतर्राष्ट्रीय महकमे में पाकिस्तान को आतंकवाद पैदा करने की फैक्ट्री मान लिया गया है, तब भी यदि उसके खिलाफ कोई मजबूत वैश्विक कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसा सिर्फ इसलिए कि वह दुनियावी हथियार और सुरक्षा उपकरण निर्माता कम्पनियों और उनके संरक्षक मूल राष्ट्रों के हाथों का खिलौना बन चुका है। ये देश कोई और नहीं बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल, जर्मनी, तुर्किये आदि जैसे देश हैं जिन्हें मौत का सौदागर कहना ज्यादा उचित रहेगा! दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि इसका एक क्लू पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयानों से मिला है, जिसके बाद अपने पाठकों को 'ह' से 'हलंत' तक की बात समझा रहा हूँ? वैसे तो भारतीय नेतृत्व के लिए भी यह बात जानना-समझना जरुरी है! हालाँकि उसके पिछले एक दशक के रुख से यही प्रतीत होता है कि वह सबकुछ समझ रहा है और बार-बार दुनिया को यह नसीहत भी दे रहा है कि यह युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध का समय है। ऐसे में संभव है कि भारत को युद्ध की जाल में उलझाकर चीन को बर्बाद करना अमेरिका-ब्रिटेन समेत नाटो देशों की यह एक नई चाल हो, जैसा कि उन्होंने रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़का कर अपना नापाक लक्ष्य पूरा किया। चूँकि चीन-रूस के प्रगाढ़ रिश्तों से अमेरिका-चीन के रिश्ते खटाई में पड़ते जा रहे हैं, वहीं भारत का नेतृत्व रूस, अमेरिका और चीन से एकसमान रिश्ते रखना चाहता है ताकि युद्ध की बजाय विकास को गति दी जा सके। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय जगत के सामने कटोरा लेकर खड़ा रहने वाले देश पाकिस्तान को 'उनके' ही इशारे पर पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम दिलवा दिया, ताकि मोदी सरकार के सब्र की बांध टूटे, फिर वह पाकिस्तान पर हमला करे। तत्पश्चात पाकिस्तान को बचाने चीन आएगा और जब ऐसा होगा तो भारत-चीन के बीच भड़कने वाले युद्ध में पश्चिमी देश भारत का साथ देंगे और फिर जैसे यूक्रेन को उसकी कीमती खनिज सम्पदा के लिए ब्लैक मेल किया कुछ वैसा ही भारत के साथ भी करेंगे। हालाँकि भारत ने इस बार कूटनीतिक सर्जिकल लड़ाई को अपना नया हथियार बनाया और ताबड़तोड़ पांच प्रतिबन्ध उसपर थोप दिए। आगे सबक सिखाने की तैयारी में भारतीय नेतृत्व जुटा हुआ है। इसी बीच घबराए पाकिस्तान ने यानी उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जो अर्द्धसत्य स्वीकार किया है, वह हैरान करने वाला बयान समझा जा रहा है। लेकिन इसके पीछे की एक और कड़वी सच्चाई जिसे वे चालाकी पूर्वक छिपा लिए, वह है अमेरिका का मजबूत अंतर्राष्ट्रीय विकल्प बनते जा रहे चीन और उसके समर्थक उत्तरपूर्वी देशों और मध्य पूर्व के देशों का नाम, जो हर भारतीय को जानना चाहिए! क्योंकि यदि उन्होंने ऐसी साफगोई दिखा दी होती तो चीन के साथ परवान चढ़ रहे रिश्ते खराब हो जाते! यहाँ यह भी संभव है कि भारत के कड़े रुख के मद्देनजर उन्होंने जानबूझकर अमेरिका, ब्रिटेन आदि का नाम रणनीतिक रूप से लिया है, क्योंकि पाकिस्तान के साथ उनके रिश्ते अब वैसे प्रगाढ़ नहीं रहे जैसे कि पहले हुआ करता था! ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान अब उनके प्रबल प्रतिद्वंद्वी चीन के खेमे में जा चुका है। आज चीन के साथ रूस, उत्तर कोरिया, तुर्की, ईरान, जर्मनी आदि जैसे देश हैं, जिनमें से कई के साथ भारत के समझदारी भरे रिश्ते हैं। हालाँकि उनका यह बयान भारत और रूस के लिए आंख खोलने वाला है। भारत को पता होना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय हथियार लॉबी दशकों से उसके पीछे पड़ी है। यहाँ के लोग भी यह महसूस कर रहे होंगे कि भारत में बढ़ते आतंकवादी हमलों, नक्सली हमलों और अंडरवर्ल्ड के गैंगवार के बाद हमारी सरकार ने आधुनिक हथियार और सुरक्षा उपकरण खरीदी। चूँकि आतंकवाद का 'बाप' पाकिस्तान और नक्सलवाद का बाप 'चीन' भारत के पड़ोसी हैं, इसलिए भारत इससे ज्यादा प्रभावित होता आया है। हमारी मुर्ख सरकारें भी फर्जी धर्मनिरपेक्षता, मन्दिर-मस्जिद, आरक्षण और सामाजिक न्याय, भाषा और क्षेत्र के नाम पर भारतीयों को बरगलाती रहीं और आतंकवाद, नक्सलवाद और संगठित अपराध के खिलाफ भारतीयों में सद्प्रेरणा पैदा नहीं की, क्योंकि विदेशी पूंजीपतियों के एजेंट भारतीय पूंजीपति भी यही चाहते थे। नई आर्थिक नीति की आड़ में इनलोगों ने भारत के जमे जमाये उद्योगों को मार दिया और अमेरिका के शह पर गुणवत्ता हीन चीनी सामानों से भारतीय बाजार को पाट दिया। जबतक मोदी सरकार, मनमोहन सरकार की 'देशद्रोही' कारगुजारियों को समझ पाई और ताबड़तोड़ काउंटर वाले फैसले लिए। इससे परेशान चीनी-अमेरिकी पूंजीपतियों के गिरोह ने कृत्रिम कोरोना महामारी पैदा कर दी। भारत पर दबाव बनाने के लिए चीन गलवान घाटी में घुस आया। हालाँकि मोदी सरकार ने दृढ़ता पूर्वक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्रों का मुकाबला करते हुए आपदा को अवसर में बदल दिया। उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध और दक्षिण चीन सागर विवाद के बीच भारत ने संतुलनकारी रुख अपनाया। यही बात बार बार अमेरिका और पश्चिमी देशों को खटक रही है। अभी हाल ही में पाकिस्तान के बलूचिस्तान में खनिज सम्पदा निकालने में अमेरिका ने जो दिलचस्पी दिखाई है, उसके लिंक भी देर-सबेर कश्मीर कांड से जुड़ जाएंगे। चूँकि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने दो टूक स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया करा रहा है और उनका समर्थन कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने एक बातचीत के दौरान कहा- हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने अपनी इस प्रवृति के लिए अमेरिका और पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया। ख्वाजा ने एक बयान में माना कि पाक पिछले तीन दशकों से आतंकवाद को पाल रहा है। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया करा रहा है और उनका समर्थन कर रहा है। मसलन वायरल हो रहे इस आशय के एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछती हैं, आप मानते हैं सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं..ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा, ब्रिटेन समेत पश्चिम... यह एक गलती थी।

विकास की दौड़ में कहीं पीछे छूट गया है हमारा 'हम'

राजेंद्र मोहन शर्मा

सहस्रों वर्षों से मानव जीवन ने एक अनंत लंबी यात्रा की है। आदमी कहां से चला और कहां पहुंच गया है। सहकार और समूह में सुरक्षा और विकास की कुलांचे भरते मनुष्य ने विकास के लिए अब नितांत एकाकीपन को चुना है। बस इसी यात्रा में आज आदमी एकाकी होकर जितना निरीह होकर और बेबस हुआ है, उतना वह उस दौर में भी नहीं था, जब जंगलों में जीवन बसर कर आगे बढ़ना सीख रहा था। साहचर्य और एकांत, दोनों के अपने-अपने रंग होते हैं, लेकिन नितांत अकेलेपन के बिखरे रंग बहुत गहरे और स्याह हैं जो खुद चुनने वाले आदमी को लीलने लगे हैं। कभी आदमी के कानों में साहचर्य का सुखद संगीत गूंजता था, लेकिन आज अपने चुने एकांत की गहरी चुप्पी ने मन को न केवल झकझोर दिया है, बल्कि उसे तोड़ कर रख दिया है। यह युग कुछ ऐसा है, जहां यह एकांत अनचाहे ही मनुष्य के जीवन में दस्तक देकर डेरा बना बैठा है। मेलों की उमड़ती भीड़ में भी अकेला पड़ता आदमी आज के समाज की एक ऐसी सच्चाई बन गया है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी धीरे-धीरे छिन्न-भिन्न कर चुकी है। एक खामोश त्रासदी-सा बिखर गया है सारा परिवार। परिवार, जो पहले आश्रय था, आज बोझ लगने लगा है। संयुक्त परिवार, जो कभी हंसी-खुशी और आपसी संबल का प्रतीक थे, अब अतीत की कहानियों में सिमट गए हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2021 के अनुसार, भारत में एकल परिवारों की संख्या में पिछले दो दशकों में तीस फीसद की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा भी काफी किंतु-परंतु में लिपटा है। यह कोई खेल नहीं, बल्कि एक ऐसे सामाजिक विघटन का द्योतक है जो हमें रोने-सिसकने और टूटने के लिए अकेला छोड़ चुका है। आज का मनुष्य अपने ही घर में अजनबी-सा हो गया है। बच्चे अपने माता-पिता से दूर, पति-पत्नी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में व्यस्त, और बुजुर्ग अपनी यादों के सहारे एकाकी जीवन से संत्रस्त होने को मजबूर हैं। यह मनहूसियत केवल शारीरिक दूरी की नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर की भी कब्र खोद रही है। अब एक बेटा अपने पिता से फोन पर औपचारिक बातें करता है। एक मां अपनी बेटी को साल में एक बार ही देख पाती है। फिर सब कुछ काल के गाल में दफन हो जाता है। वास्तव में सामूहिकता का संस्कार वह धागा था जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता था। मगर आधुनिकता की चकाचौंध में यह धागा गल चुका है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत में 18-35 आयु वर्ग के 62 फीसद युवा यह मानते हैं कि पारंपरिक संस्कार उनके लिए 'प्रासंगिक नहीं' हैं। युवा पीढ़ी ने नए के सृजन की चाह में जो खोजा, उसे खुद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या तलाशने निकाला था और हाथ क्या लगा है। आज यह बदलाव केवल जीवनशैली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे सोचने-समझने के तरीके को भी प्रभावित कर चुका है। अब हमारे अनुभूत संपुष्ट विचार कमजोर पड़ गए हैं। जाहिर है, अब सामूहिक संवाद भी क्षीण होंगे। आदमी आज जिस बनावटीपन है और एकाकीपन में लिपटा है, उसका कोई समाधान नहीं है। माया आज भौतिकता के रूप में हमारे सामने है, जो हमें अपने से जोड़ने के बजाय तोड़ कर अलग कर रही। हमारा अकेलापन केवल शारीरिक एकांत नहीं है। यह मन की वह अवस्था है, जहां व्यक्ति असुरक्षित महसूस करता हुआ अभिशप्त होने को विवश है। विश्व स्वास्थ्य संगठन 2024 की एक रपट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 40 फीसद लोग गहरे अकेलेपन का शिकार हैं, जिसका सीधा संबंध हमारे मानसिक स्वास्थ्य से है। यह असुरक्षा केवल बाहरी दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि आदमी के भीतर भी गहरी पैठी हुई है। हम हंसते मुस्कुराते पार्टी से लौटे आदमी को सीधा-प्रसारण करते हुए आत्महत्या करते देख कर हैरान हैं। परिवार के भीतर की विश्वास की डोर कमजोर हो गई है। आज एक पिता अपने बेटे की सफलता पर संदेह कर रहा है। आए दिन पति-पत्नी के बीच चारित्रिक संदेह और निष्ठा पर सवाल उठने की खबरें आ रही हैं। ऐसे में अकेलापन और गहरा होता जाएगा। जब मनुष्य अपने ही मन के भीतर कैद होकर रह जाता है, तो वहां उसके पास कोई साथी, संबल, सहारा नहीं होता। सुख की खोज में दुख जकड़ता जाता है। आधुनिक युग के भौतिकवाद ने मनुष्य के जीवन को इस कदर जकड़ लिया है।

एशिया-अफ्रीका मैत्री का प्रतीक बांडुंग

बांडुंग सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इंडोनेशिया का खूबसूरत शहर है बांडुंग... बांडुंग की जो चीज लोगों को सबसे ज्यादा पसंद है, वह है शहर का ठंडा मौसम...शायद इस शहर की ठंडी तासीर ही थी कि शीत युद्ध की गर्मी के खिलाफ अफ्रीका और एशिया के देशों ने ठीक सत्तर साल पहले 1955 में यहां जुटान रखी और दो ध्रुवों में तब बंटी दुनिया की बजाय अपनी अलग राह चुनी। बीते 18 अप्रैल को इस शहर ने एशिया-अफ्रीकी संबंधों और आपसी सहयोग की नई नींव रखने की सत्तरवीं सालगिरह मनाई है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई। बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इस बीच इंडोनेशिया ने शिक्षा, अर्थव्यवस्था और परिवहन में प्रगति के माध्यम से पिछले सात दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी दौरान इंडोनेशिया-चीन सहयोग के चलते जकार्ता-बांडुंग हाई-स्पीड रेलवे चल रही है। जिसकी वजह से दोनों शहरों की दूरी अब चार घंटे की बजाय महज 30 मिनट में पूरी हो जाती है। पोपोंग ने हाल ही में बांडुंग स्थित अपने घर पर शिन्हुआ को बताया, इसी बांडुंग सम्मेलन के बाद तकरीबन सभी देशों से उपनिवेशवाद खत्म हो गया है और अब एशियाई और अफ्रीकी देश आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपना पुनर्निर्माण कर रहे हैं। वैश्विक विकास मानवीय संबंधों, विशेषकर सीमा पार संबंधों को लेकर इस सम्मेलन के देश आगे बढ़ रहे हैं। इसकी ही वजह से आज एशिया और अफ्रीका के देश नजदीक आ रहे हैं और उनकी आर्थिकी एक-दूसरे पर निर्भर करती है। बांडुंग में इस बार सिर्फ औपचारिक आयोजन हुआ। लेकिन बांडुंग अब एशिया और अफ्रीका के घने होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। सम्मेलन के मुख्य सिद्धांत राजनीतिक आत्मनिर्णय, संप्रभुता के लिए परस्पर सम्मान, गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और समानता थे। ये मुद्दे सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए केंद्रीय महत्व के रहे, जिनमें से अधिकांश हाल ही में औपनिवेशिक शासन से उभरे थे। इन्हीं सिद्धांतों को गुटनिरपेक्षता की नीति के मुख्य उद्देश्यों के रूप में बाद में अपनाया गया था। औपनिवेशिक डच ईस्ट इंडीज काल के दौरान बांडुंग का आधिकारिक नाम बांडोएंग था। बहरहाल बांडुंग भावना दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को प्रेरित करती है। इसे इस सम्मेलन के साठवीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 100 से अधिक विकासशील देशों ने भाग लिया था। बांडुंग का महत्व यह है कि यहीं से एशिया और अफ्रीका के साथ लाने की पहल शुरू हुई थी।

आज का राशिफल

मेष - [illegible]

वृषभ - [illegible]

मिथुन - [illegible]

कर्क - [illegible]

सिंह - [illegible]

कन्या - [illegible]

तुला - [illegible]

वृश्चिक - [illegible]

धनु - [illegible]

मकर - [illegible]

कुंभ - [illegible]

मीन - [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5580

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5579

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5580

संकेत: बाएं से दाएं
1. 21 जुलाई 1969 को अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एवं एडविन एल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरे थे जो इस देश के है (4)
3. [illegible], जरूरत से ज्यादा (3)
7. शास्त्रीय संगीत में एक राग (6)
9. धनुर्धारी, [illegible] (4)
11. सप्ताह के दिनों में से एक (2)
12. किसी वस्तु के निर्माण में लगा खर्च (3)
14. सुंदर, रूपवान, संगीतकार नौशाद के पसंदीदा गीतकार (सिर्फ आरंभिक नाम)(3)
15. मशगूल, कार्य में लगा हुआ (2)
17. आदर्शवादी, अमिताभ बच्चन की [illegible] भूमिका वाली एक फिल्म (3)
19. [illegible], पुण्यकार्य, [illegible] (2)
20. [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] (2)
21. मार्ग, पथ, रास्ता (2)
22. बहुत बड़ा, उच्च, उत्तम (3)
23. इरादा, प्रतिज्ञा, इकरार (3)
24. हैसियत, [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. मेहमान, [illegible] (3)
2. एकता, मिलाप, [illegible] (अंग्रेजी) (2)
3. सिफारिश, को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
4. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने जाते थे, पिता के भाई (2)
5. अद्भुत रंग वाला, विवर्ण (4)
6. शिथिलता, [illegible], [illegible] (3)
8. इलाहाबाद के मशहूर वकील जो जलियांवाला बागकांड के बाद 1919 में अमृतसर में हुई कांग्रेस के पहली बार अध्यक्ष बने (7)
10. देने योग्य, देय, नैवेद्य, प्रदेय (3)
13. दुर्भाग्यशाली, शामत का मारा (4)
16. गले में पहनने का हार (4)
18. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
21. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
22. आनंदहीन, आनंदित, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5579 का हल

तीनों आतंकवादियों के पुतले को जूते की माला पहनाकर जलाया जाएगा

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पहलगाम में निर्दोष 28 भारतीयों गोली से निर्मम हत्या से संपूर्ण राष्ट्र दुखी है इसका स्थाई समाधान को लेकर संपूर्ण राष्ट्र विचार के साथ ही प्रत्येक संगठन प्रत्येक संस्था पूरे भारत के अंदर विरोध के स्वरों को और तेज करें इसी कड़ी में क्रांतिकारियों के लिए समर्पित सैनिकों के सम्मान के लिए समर्पित दशपुर जागृति संगठन द्वारा 1 मई को संध्या 7 बजे चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल, आजाद मार्केट घंटाघर के समीप तीनों आतंकवादियों स्क्रैच के आधार पर उनके मुख बनाकर के पुतले को जूते की माला पहनकर तीरंगों से लिपटी हुई तीन मसालों से उन्हें जलाया जाएगा। मातृभूमि की माटी को हाथ में लेकर शपथ ली जाएगी।

इस आतंकवादी घटना में दिवंगत परिवारों को दुख सहन करने की शक्ति मिले इस हेतु तीन बार महामृत्युंजय मंत्र, तीन बार गायत्री मंत्र का वाचन होगा। साथ ही 2 मिनट का मौन रखा जाएगा। देश के अंदर आतंकवाद खत्म हो रहा है ऐसी भावना की जाएगी। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम देश के अंदर सुरक्षा के साथ सैनिकों की भर्ती और बढ़ाये जाने की मांग की जाएगी। पूरे देश के अंदर हर तीसरे महीने सर्च अभियान प्रत्येक संवेदनशील इलाकों का किया जाने की मांग संगठन द्वारा की जाएगी। दशपुर जागृति संगठन के सभी संगठनों से मांग की है कि अपने भावनाओं के पत्र प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के नाम लिखकर हमें प्रदान करें। राष्ट्र के अंदर बढ़ रहे आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए अपने लेटर पैड पर पत्र लिखकर संगठन के सदस्यों को प्रदान करें यह पत्र 2 मई को प्रात: 10.30 बजे पोस्ट ऑफिस से रवाना किए जाएंगे । इस पुतला दहन कार्यक्रम में संगठन ने आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी भावनाएं व्यक्त करें। संगठन के पदाधिकारी संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पुराणिक, कार्यकारी अध्यक्ष हरि शंकर शर्मा, वरिष्ठउपाध्यक्ष चंद्र कुमार विश्नोई, उपाध्यक्ष बी एस सिसोदिया, सचिव आशीष बंसल, संरक्षक राजाराम तंवर, रविंद्र पांडे, एमपी सिंह परिहार, अजीजउल्ला खान, दृष्टनंद ननवानी, कृष्ण पाल सिंह पिपलियामंडी, प्रवीण गुप्ता पिपलिया मंडी, कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, अरुण गौड, वरिष्ठसदस्य जितेंद्र जैन, मनोज लाल सोनगरा, आशीष नलवाया, बलराम, सत्यनारायण सोमानी, नगर महिला अध्यक्ष सीमा चौरडिया, वर्षा बसेर, विकास बसेर, संगठन वित्त सलाहकार विकास भंडारी, परामर्श एवं संयोजक सुनील बंसल, राजेंद्र चास्टा ने आव्हान किया है कि 1 मई को संध्या 7 बजे चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल पर पहुंचे। तीनों आतंकवादियों के पुतले जलाने के लिए संगठन ने आव्हान किया है। संगठन संयोजक सत्येंद्र सिंह सोंम इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर राष्ट्रहित का परिचय दें हर धर्म हर जाति का भाई इस कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहिए। यह राष्ट्र के लिए बहुत बडी दुखद घटना है जब तक तीनों आतंकवादियों के साथ ही पूरे भारत के अंदर आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त लोगों को भरने किया जाता प्रत्येक संगठन अपने कार्यक्रमों को तेजी लाई 1 वर्ष तक कोई महंगी शादी महंगे कार्यक्रम राजनीति पार्टियों ना करें और राष्ट्र को मजबूत करने के लिए राष्ट्र में छुपे गद्दारों वह किसी ही धर्म और किसी मजहब का हो अब राष्ट्र को बचाने का समय आ चुका है को बाहर करने के लिए अभियान चलाकर कार्य करें । यही मांग संगठन द्वारा की जा रही है यह कार्यक्रम पूर्णता गरिमा में होगा आपकी उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाएगी। समय का ध्यान रखते हुए समय पर पधारे । पूरे कार्यक्रम के अंदर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें एक घंटा राष्ट्र के नाम। यह जानकारी मीडिया प्रभारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

शिक्षक का कार्य नौकरी से बढ़कर भावी पीढ़ी का निर्माण करना है-डा.सेठिया

डाइट मंदसौर में शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। डाइट मंदसौर में राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल (म.प्र.) के सौजन्य से शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास प्रशिक्षण पाँच चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

प्रत्येक चरण में सम्पूर्ण मंदसौर जिले के समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के संस्था प्रधानों को पाँच दिवसीय प्रशिक्षण देकर उनकी नेतृत्व क्षमता को और अधिक सशक्त एवं उपयोगी बनाया जा रहा है। चतुर्थ सत्र के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेंसा मिंज ने कहा कि आगामी सत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता में और अधिक निखार लाकर नामांकन से लेकर परीक्षा फॉर्म तक हमारा जिला प्रदेश एवं देश के शैक्षिक मानचित्र पर अपना गौरव स्थापित करें। शिक्षक बच्चों की क्षमता को पहचानें और उनकी समस्याओं का समाधान करने और उनकी प्रतिभाओं को निखारने में कोई कसर शेष न रखें। विशेष अतिथि श्रीमान् जिला परियोजना समन्वयक श्री जगतदेव शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को समय नियोजन कर अपनी-अपनी शाला के वार्षिक कार्ययोजना का निर्धारण कर प्रतिदिन चरणबद्ध कार्य किया जाये, तभी हम शिक्षा के क्षेत्र में नई उंचाइयों को प्राप्त कर सकेंगे। आज समाज में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थाओं के बीच की खाई बढ़ती जा रही है, उसे काटकर शासन द्वारा संचालित विद्यालयों में बच्चों की बुद्धि परिलब्धि स्तर के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयास ही अच्छे और श्रेष्ठपरिणाम दे सकते हैं। अध्यक्षता कर रहे डाइट प्राचार्य श्री दिलीप सिंह राठौड ने उत्कृष्टकार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को अपनी शाला में आदर्श स्थापित करने की प्रेरणा दी। आपने निर्देशित किया कि माननीय शिक्षा मंत्री महोदय के निर्देश है कि श्रेष्ठ कार्यों के लिए पुरस्कार एवं प्रोत्साहन दिये जायें। वहीं कार्य के प्रति लापरवाही अक्षम्य है। वरिष्ठव्याख्याता प्रमोद सेठिया ने कहा कि शिक्षक का कार्य नौकरी से बढ़कर भावी पीढ़ियों का निर्माण करना है, आप इस चिंतन वाक्य को आत्मसात् कर कार्य करना सीखें। प्रशिक्षण प्रभारी श्री आरडी जोशी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए जिले के नवाचारी शालाओं के संस्था प्रधानों में सर्व श्री नंदकिशोर पाटीदार शाप्रावि रीछाबच्चा, मार्तण्ड सिंह शक्तावत शामावि उमरिया, ईश्वरलाल फरक्या शामावि ढाबला देवल के द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया। संचालन मास्टर ट्रेनर श्री शंभूसिंह चुण्डावत ने किया। आभार प्रदर्शन श्री रामेश्वर डांगी ने व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय रोल बाल प्रतियोगिता का समापन

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दो दिवसीय रोल बॉल प्रतियोगिता का 17 वर्ष से कम बालक बालिका व सीनियर मेन वूमेन आयु वर्ग में मंदसौर रोल बॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित कराई गई समापन पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों सहित कई जिलों के युवा खिलाड़ियों ने सहभागिता की जिसमें मुख्य रूप से इंदौर, देवास, छिंदवाड़ा, भोपाल, जबलपुर, इंदौर कॉरपोरेशन, मंदसौर व मंदसौर कॉरपोरेशन कि टीमें शामिल थी

प्रतियोगिता का 17 वर्ष बालक में पहला सेमीफाइनल मंदसौर कॉरपोरेशन व भोपाल के बीच खेला गया जिसमें भोपाल विजय रहा दूसरा सेमीफाइनल मंदसौर जिला व देवास के बीच खेला गया जिसमें देवास विजेता रहा इस तरह तृतीय स्थान पर देवास द्वितीय स्थान पर भोपाल व फाइनल में विजेता मंदसौर जिला रहा बालिका 17 वर्ष में फाइनल मैच इंदौर का मंदसौर के बीच खेला गया जिसमें इंदौर बालिका टीम विजय रही सीनियर मैंस वर्ग में मंदसौर जिला विजेता इंदौर उपविजेता व देवास तृतीय स्थान पर रहा वहीं विमेंस सीनियर में फाइनल मैच इंदौर वर्सेस मंदसौर हुआ जिसमें मंदसौर विजेता रहा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से मध्य प्रदेश टीम का चयन किया गया जो राजस्थान के रिंग्स में आयोजित होने वाली वेस्ट जोन नेशनल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे पूरे प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक के रूप में हेमंत जोशी, ललित सतवासे, तन्मय मेहता, विनीता गुंड, जलज सिसोदिया, वर्णीका उपाध्याय, लाभांशी हेजू आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा । इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह विजय अटवाल जिला महामंत्री भाजपा, नरेश चंदवानी अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय मंदसौर, बंटी चौहान भारतीय युवा मोर्चा, बंटी राठौर सांसद प्रतिनिधि खेल युवा कल्याण विभाग, राजू कुमार खेल अधिकारी शासकीय महाविद्यालय मंदसौर, की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ सभी अतिथियों के लिए यह खेल बहुत ही आकर्षण का केंद्र रहा स्केटिंग के साथ बल लेकर पासिंग करते हुए गोल करना इसे सभी अतिथियों में बहुत कठिन व नियंत्रण लाने वाला खेल बताया। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण अभिभावकों द्वारा करवाया गया जिसमें अनिल जी जैन, निलेश पारेख, आशीष जैन, कमलेश गहलोत अपने परिवार के साथ अतिथि के रूप में मौजूद थे जिनके बच्चे इस प्रतियोगिता में खिलाडी के रूप में शामिल रहे थे यह जानकारी जिला रोल बॉल संघ सचिव राकेश श्रीवास्तव व सचिन काले ने संयुक्त रूप से दी।

सकल ब्राह्मण समाज की वाहन रैली आज

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आगामी 30 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर दिनांक 29 अप्रैल मंगलवार को सकल ब्राह्मण समाज एक वाहन रैली निकलेगा। यह वाहन रैली परशुराम वाटिका राम टेकरी से प्रारंभ होकर मित्रवत्सला के पास से जनता कॉलोनी, महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा, शुभकामनाएं रिजॉर्ट के पास से अभिनंदन नगर, पद्मावती रिसोर्ट अंडर ब्रिज से गीता भवन रोड, पंडित ओमप्रकाश पुरोहित मार्ग गुप्ता कचोरी , बीपीएल चौराहा, गांधी चौराहा, बस स्टैंड, घंटाघर, सदर बाजार, मंडी गेट, प्रतापगढ़ पुलिया , वीर सावरकर सेतु , धान मंडी , गणपति चौक, शुक्ला चौक, नयापुरा रोड, महाराणा प्रताप बस स्टैंड होते हुए परशुराम द्वार से परशुराम वाटिका रामटेकरी पर समाप्त होगी। भगवान परशुराम जन्मोत्सव आयोजन समिति के संयोजक पंडित बसंत शर्मा सहसंयोजक पंडित जितेंद्र व्यास तथा सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा ने समस्त ब्रह्मजनों से वाहन रैली में भाग लेकर उसे सफल बनाने का आग्रह किया है।

अवैध रूप से रहने वालें लोगों की पहचान की जाए-सिसोदिया

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पहलगांव में हुई आतंकी घटना के बाद देशभर में अवैध रूप से रह रहे लोगों की पहचान कर उन्हे वापस भेजा जा रहा है। इंदौर, उज्जैन और रतलाम जैसे अनेक मालवा क्षेत्र के शहरो मे कैंप लगाकर अवैध रूप से रह रहे वे लोग जो लंबे समय से रह रहे है उनकी पहचान की जा रही है, केम्प लगाये जा रहे है। इसलिए मंदसौर में भी अवैध रूप से रहने वाले लोगों की पहचान की जाऐ।

यह बात पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद को लिखे पत्र में मांग करते हुए कहा कि मंदसौर जिला मादक द्रव्य प्रदार्थों की तस्करी से जुडे लोगो के रूप में चर्चाओं में बना रहता है। संवेदनशील मंदसौर जिले के शहरो, कस्बो एवं गांवों में संदिग्ध अवांछित तत्वों की धरपकड एवं तलाश की जाना समय की पुकार है। श्री सिसोदिया ने कहा कि ऐसे लोगो के आधार कार्ड ऐप के माध्यम से ऑनलाईन डाउनलोड करवाकर प्रमाणीकरण किया जावें इनके परिवारों के सदस्यों की भी जांच की जावे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मंदसौर जिले में कई संवेदनशील गांव की नई आबादियों में ऐसें लोग भी निवास कर रहे है जिनके प्रमाणीकरण की नितांत आवश्यकता है, जिले में कई घटनायें पूर्व मे ऐसी घटी है जिसमे आपराधिक किस्म के अवांछित तत्वो की पहचान हुई थी। इसलिए अन्य शहरो मे जिस प्रकार से ऐसे अवांछित, आपराधिक किस्म के लोगों की तलाश की जा रही है उनका सत्यापन किया जा रहा है ऐसे संदिग्ध परिस्थितियो वालो को पहचानना और उनका प्रमाणीकरण किया जाना देशहित मे होगा।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की किस्त का वितरण कल

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत वर्ष में कुल राशि रुपये 6000/- तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। हितग्राही परिवारो को योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 की प्रथम किस्त का वितरण मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा 30 अप्रैल-2025 को उमरबन (धार) से किया जावेगा। विधायक ,सांसद सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ब्लाक स्तर पर विधिवत आमंत्रित कर, ब्लॉक स्तर पर प्रोजेक्टर बडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा। समस्त ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था कर कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा। जिले के समस्त हितग्राही वेबकास्ट लिंक के माध्यम से जुडकर कार्यक्रम को देख व सुन सकेंगे।

आधुनिक तरीके से की पान की खेती

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर, भानपुरा के रहने वाले श्री अनिल बंबोरिया (9406838581) प्राइवेट बैंक में नौकरी करते थे। नौकरी छोडकर पान की खेती में बहुत ही शानदार नवाचार किया है। एक समय था जब किसान पान की खेती अर्थात पनवाडी की खेती को परंपरागत तरीके से किया जाता रहा था, लेकिन किसान श्री अनिल बंबोरिया ने नवाचार करके दिखाया है और इससे पान का उत्पादन भी डेढ गुणा करके दिखाया है। इस कार्य से पान की खेती करने वाले अन्य किसान भी प्रेरणा ले रहे हैं और उनके अंदर भी बदलाव करने की अलख जगी है।

श्री बंबोरिया कहते हैं कि एक समय में परंपरागत तरीके से खेती किया करते था। लेकिन उसमें नुकसान बहुत ज्यादा होता था। आंधी, तूफान, लु, वर्षा, सर्दी इनके कारण बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पडता था। वर्षा के कारण जडों में बीमारी लग जाती थी। जडे गल जाती थी। सर्दी से पत्ते जल जाते थे। लाभ कम नुकसान बहुत ज्यादा होता था।लेकिन वर्ष 2021-22 में उद्यानिकी विभाग द्वारा इस नुकसान से बचाव के लिए का पाली हाउस निर्माण के संबंध में सलाह दी गई। इसी वर्ष उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर 1000 स्क्वायर मीटर का पाली हाउस का निर्माण किया। पाली हाउस के निर्माण से पान की खेती में आमूल चूल परिवर्तन देखने को मिला। अब खेती में बाहरी बीमारियां बिल्कुल नहीं होती है। वर्षा, सर्दी, जड का खराब होना, कीट, पतंग सभी तरीके की समस्याएं खत्म हो चुकी हैं और उत्पादन भी डेढ गुना तक बढ गया है। साथ ही लागत भी बहुत कम आ रही है। लाभ 2 गुना हो चुका है। पनवाडी पहले एक से डेढ वर्ष में नष्टहो जाती थी, लेकिन पाली हाउस के निर्माण से पनवाडी 15 से 20 वर्ष तक नष्ट नहीं होती हैं। पान उत्पादन के पश्चात दिल्ली, मेरठ, सहारनपुर, आगरा की मंडियों में विक्रय के लिए भेजते हैं। देश के कोने-कोने में इस पान की डिमांड बढने लगी है।

करंट से युवक की मौत के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के नोटिस के बाद हरकत में आया पुलिस प्रशासन

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नवीन कृषि मण्डी में गोदाम निर्माण के दौरान बीती 3 मार्च को मिस्त्री मनोज पिता नरसिंह जाटव की हाईटेंशन लाईन से करंट लगने से मौत हो गई थी। हादसे के बाद परिजनों ने एसपी ऑफिस के सामने मुख्य मार्ग पर शव रख गोदाम मालिक, तोतला कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार व मण्डी के जिम्मेदारों पर प्रकरण दर्ज कराने और उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था, जिस पर पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाईश देकर अन्तिम संस्कार के लिए भेज दिया था। लेकिन एक माह बीत जाने पर भी मृतक के परिजन न्याय के लिए दर-दर भटक रहे थे। अंतत: राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग दिल्ली के नोटिस के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और 28 अप्रैल को मृतक के परिजनों के बयान लिए।

आरोपियों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं होने से मृतक के परिजनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग दिल्ली में शिकायत की थी, जिस पर 10 अप्रैल को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक नीमच को नोटिस भेजकर 15 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। नोटिस मिलते ही जिला पुलिस प्रशासन हरकत में आया और मृतक के परिजनों और गवाहों के बयान दर्ज करना प्रारंभ किए। नीमच केन्ट थानान्तर्गत डूंगलावदा (चंगेरा) स्थित नई कृषि उपज मण्डी में 3 मार्च को दोपहर उस वक्त हादसा हो गया जब मिस्त्री मनोज पिता नरसिंह जाटव व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश भारद्वाज के निर्माणाधीन गोदाम की छत पर टाईल्स लगाने का कार्य कर रहा था। जिस जगह मिस्त्री मनोज काम कर रहा था, उस गोडाउन का निर्माण विद्युत मण्डल के मानकों के विपरीत 11 केवी की लाईन के निकट तक करवाया गया था और सुरक्षा उपायों और सेफ्टी जैकेट उपलब्ध करवाए बिना नियमों को ताक में रखकर निर्माण करवाया जा रहा था, जिसके कारण कार्य करते समय मनोज विद्युत लाईन के सम्पर्क में आकर करंट लगने से उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। मृतक परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था और 15 दिनों से उक्त कार्य कर रहा था और प्रतिदिन मजदूरी लेकर अपना और अपने परिवार का पेट पालता था। लेकिन दुर्घटना में मनोज की मृत्यु हो जाने से पूरा परिवार भूखे मरने की स्थिति में आ गया है। परिजनों ने जिला प्रशासन से आरोपियों पर तुरन्त कडी कार्यवाही करने, उचित मुआवजा देने और नियमों को ताक में रखकर बनाए गए गोदामों को तुरन्त ध्वस्त करने की मांग की, ताकि ऐसा हादसा दोबारा किसी अन्य के साथ न हो।

कर्तव्य से अनुपस्थित रहने और लापरवाही बरतने पर राजपुरा का पंचायत सचिव निलंबित

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने जनपद क्षेत्र मनासा की ग्राम राजपुरा के पंचायत सचिव मांगीलाल रावत द्वारा कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने पर, उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

इस संबंध में जारी निलंबन आदेशानुसार 5 अप्रेल 2025 को जनपद पंचायत मनासा कार्यालय में एवं 9 अप्रेल 2025 को रामपुरा में मुख्यमंत्री जी के प्रवास के संबंध में बैठक रखी गई थी। किन्तु श्री मांगीलाल रावत सचिव, उक्त बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना एवं अवकाश स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। जिसके कारण समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत राजपुरा की समीक्षा नहीं हो सकी। इसी तरह दिनांक 07 अप्रेल 2025 को ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु विधायक, विधानसभा क्षेत्र मनासा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में श्री मांगीलाल रावत सचिव, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। जिसके कारण समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत राजपुरा की समीक्षा नहीं हो सकी। इसके अलावा 18 एवं 20 अप्रेल 2025 को जनपद पंचायत मनासा कार्यालय में मान. मुख्यमंत्री जी के प्रवास के संबंध में बैठक रखी गई थी। किन्तु श्री मांगीलाल रावत सचिव, उक्त बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना एवं अवकाश स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। जिसके कारण समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत राजपुरा की समीक्षा नही हो सकी। जल गंगा संवर्धन एवं कृषि आधारित कार्यों का चयन किये जाने हेतु जनपद पंचायत मनासा कार्यालय में 26 अप्रेल 2025 को बैठक रखी गई थी। किन्तु श्री मांगीलाल रावत सचिव, उक्त बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना एवं अवकाश स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। जिसके कारण समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत राजपुरा की समीक्षा नही हो सकी। अत: राजपुरा के पंचायत सचिव श्री मांगीलाल रावत द्वारा निरन्तर बिना किसी पूर्व सूचना व अवकाश स्वीकृति के समीक्षा बैठकों में अपनी स्वैच्छारिता से अनुपस्थित रहने, कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर जिला पंचायत सीईओ श्री वैष्णव द्वारा पंचायत सचिव श्री मांगीलाल रावत को म.प्र.पंचायत सचिव अनुशासन तथा अपील नियम 1999 के भाग-तीन अन्तर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर, उनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत मनासा नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

सब सुख चाहते है, इसके लिए सबसे प्रेम जरूरी है-ब्र.कु. उषा बहन

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी उषा बहिन ने कहा कि सब सुख चाहते है इसके लिए सबसे प्रेम जरूरी है। प्रेम ही धर्म है जो इसे अपनाता है वह कभी दुखी नही होता है। वह किसी से द्वेष, नफरत व ईर्ष्या नही करता है। स्वयं के आत्मा होने का जिसे बोध हो जाता है वही प्रेम अपना सकता है। अमूल्य मानव जीवन का सदुपयोग जरूरी है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि अहंकार सभी पापो की जड है। अहंकार ही पाप की प्रेरणा देता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह कषाय अहंकार की देन है। अहंकार को न्यूनतम करने का प्रयास ही आध्यात्मिक उन्नयन का उपाय है। आत्म विश्वास व जिद्द, महत्वाकांक्षा व संतोष, स्वाभिमान व अभिमान का विवेकपूर्ण भेद बोध जीवन को अहंकार से मुक्त कर सकता है।

विधि व्याख्याता श्री सुनील बडोदिया ने कहा कि धर्म अर्थ, काम, मोक्ष के पुरूषार्थ के माध्यम से जीवन को सार्थक करने के लिए सत्कर्म की आवश्यकता होती है। श्री अभय जैन, श्री विनोद चैबे, श्री सत्यनारायण भूरिया ने गीत भजन प्रस्तुत किये। श्री निरंजन भारद्वाज, डॉ.रविन्द्र जोशी, भैरूलाल पटेल, शंकरलाल त्रिवेदी, भैरूलाल राठौर, शुभम जैन, आयुष मोदी, महेश कानूनगो, शांतिलाल सोनी, नरेन्द्र छाजेड ने संवाद मे सहभागिता की। आध्यात्मिम चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने गतिविधियो की जानकारी दी। संचालन आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

राम नाम जाप से होता है आत्मा का कल्याण-पं.शर्मा

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बालाजी नवयुवक मंडल रामपुरा दरवाजा के तत्वाधान में नौ दिवसीय अमृत कलश स्थापना महोत्सव एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित श्री राम कथा वीर हनुमान मंदिर रामपुरा दरवाजा जावद स्थित हनुमान मंदिर राम दरबार पर पुजा अर्चना से हुआ। कथा में महिलाएं लाल पीले परिधानों मे सहभागी बनीं। श्री राम कथा में श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित विभिन्न भजनों की स्वर लहरियां बिखर रही थी। श्री राम कथा के तृतीय दिवस श्री राम जी की पूजा अर्चना के बाद राम कथा में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए पंडित दशरथ शर्मा भाई जी ने कहा कि राम नाम का जाप करने से आत्मा का कल्याण हो सकता है। जिसको कोई नहीं बुलाता उसको शंकर भगवान

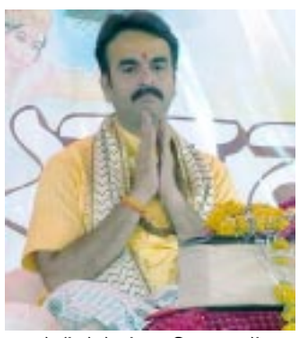

बुलाते हैं भोले शंकर की बारात में भूत प्रेत किन्नर पिशाच नाग नागिन सभी शामिल थे। जो सब जगह से तिरस्कार होता है जिसका कहीं कोई मान नहीं होता है उसको शंकर भगवान मान देते हैं। मृत्यु सुधारना है राम नाम का जाप करना चाहिए। जगत के कल्याण के लिए प्रतिवर्ष यज्ञ हवन करवाना चाहिए। सच्चा राजपूत वही होता है जो गंगा और स्त्री पर अत्याचार सहन नहीं करता उसका विरोध करता है। आपसे कुछ नहीं ले और सब कुछ दे दे वही महादेव होता है। मनुष्य यदि पद प्रतिष्ठा पैसा और जवानी पर अहंकार करता है लेकिन यह एक दिन नहीं रहते हैं सब चले जाते हैं। जिस वस्तु से अधिक प्रेम होता है काल इस वस्तु को जल्दी समाप्त करता है। सब यहीं रह जाएंगे साथ पुण्य कर्म ही जाएंगे । उठते बैठते राम नाम का जाप करना चाहिए।यही जीवन के लिए कल्याणकारी सिद्ध होता है। गुरु के आश्रम कितने बडे हैं यह नहीं देखना चाहिए गुरु का ज्ञान कितना बडा है उनका स्वभाव कैसा है। यह देखना चाहिए।भागवताचार्य प.दशरथ महाराज श्री ने सीता जी, लक्ष्मी उत्पत्ति,दक्ष प्रजापति, तुलसी दास जी, जामवंत, दण्ड कारण्य, राम ,शिव कथा, गुरु वशिष्ठ,सती पार्वती , अयोध्या कांड, ऋषि मुनि,वैद पुराण, सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों के वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व पर प्रकाश डाला। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। आरती व रामायण पौथी पुजन में श्रद्धालु भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण करवाया गया। रामकथा में भागवत कथा मप्र शासन के पूर्व मंत्री जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा , जगदीश मौड, सुयश रामायण मण्डल मंदसौर के प्रदीप श्रीवास्तव, सुरेश भावसार, अम्बालाल चौहान, महेश रेंठा, एवं अठाना, मंदसौर, तारापुर ,कनेरा, सुखानंद, आदि , ग्रामीण क्षेत्रों सहित बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा ने किया। श्री राम कथा पंडित दशरथ शर्मा भाई जी के श्री मुख से प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रवाहित हो रही है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	34	2048	2340
उडद	12	5911	6300
सोयाबीन	5800	3900	4375
गैहु	12500	2420	2900
चना	810	5000	5557
मसुर	76	5950	6153
धनिया	314	5702	7575
लहसुन	20000	2000	9500
मैथी	1257	3771	5980
मुंगफली	967	3600	5190
अलसी	2069	6850	7501
सरसो	324	5150	5999
तारामीरा	12	5340	5340
इसबगोल	132	9000	11900
प्याज	4300	350	1007
कलोंजी	39	6399	19399
तुलसी बीज	12	14000	15400
डॉलर	155	6301	8958
तिल्ली	0000	0000	0000
जौ	10	2300	2320
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	42	6461	6699
चियाबीज	75	8000	12960

भ्रष्टाचार के आरोप में सहकारी निरीक्षक आरपी कुमावत निलंबित

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर की शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का खुलासा, जांच में दोषी पर कार्रवाई की सिफारिश

सहकारिता प्रशासक कुमावत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, एक माह बीतने पर भी...
कोई कार्यवाही नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष और निराशा

नेमीचंद राठौर

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पदस्थ सहकारी निरीक्षक आर.पी. कुमावत को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प द्वारा दिनांक 17 अप्रैल 2025 को आदेश क्रमांक स्था./10/विजां/2025/1165 के तहत यह कार्रवाई की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री कुमावत पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंदसौर की शाखा सुवासरा के अंतर्गत पांच पैक्स संस्थाओं में पदस्थ कर्मचारियों की वेतनवृद्धि स्वीकृति और अनुग्रह अनुदान राशि के भुगतान में वित्तीय अनियमितताओं तथा रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगे थे। इन शिकायतों की गहन जांच के बाद तैयार प्रतिवेदन में आरोपों को सही पाया गया।

श्री कुमावत का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 03 का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है। इसी आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 09 के अंतर्गत प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए उन्हें निलंबित किया गया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश, भोपाल कार्यालय निर्धारित किया गया है। नियमानुसार, उन्हें निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। विभागीय जांच शीघ्र प्रारंभ की जाएगी ताकि आरोपों की पुष्टि के उपरांत आगे की कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

यह उल्लेखनीय है कि 'गुरु एक्सप्रेस' ने समय-समय पर श्री कुमावत की अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से संबंधित खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की थीं। 7 अक्टूबर 2024 को 'गुरु एक्सप्रेस' ने 'सहकारिता प्रशासक कुमावत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, एक माह बीतने पर भी कोई कार्रवाई नहीं' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर मामले को उजागर किया था। इसके बाद 11 दिसंबर 2024 को पुन: 'जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर की शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का खुलासा, जांच में दोषी पर कार्रवाई की सिफारिश' शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी। समाचारों के बाद उच्चाधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। जांच प्रतिवेदन में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर सहकारिता आयुक्त मनोज पुष्प ने कडी कार्रवाई करते हुए निलंबन का आदेश जारी किया। इस कार्रवाई से सहकारी विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों में भी स्पष्ट संदेश गया है कि विभाग में किसी भी प्रकार की अनियमितता और भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा।

मप्र में सरकारी नौकरियों के लिए बदलेगा भर्ती का तरीका, बार-बार नहीं, एक होगी परीक्षा

भोपाल, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली भर्ती और चयन परीक्षा में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती परीक्षाएं अब बार-बार नहीं होंगी।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तर्ज पर वर्ष में केवल एक बार परीक्षा होगी और सभी श्रेणी के पदों के लिए प्रावीण्य सूची बना ली जाएगी। प्रतीक्षा सूची भी एक ही रहेगी। इसके लिए पदों की संख्या सभी विभागों से वर्ष में एक बार पूछ ली जाएगी और उसके आधार पर सितंबर में आगामी वर्ष के लिए कैलेंडर निर्धारित हो जाएगा। जनवरी, 2026 से भर्ती-चयन की यह प्रक्रिया लागू करने की तैयारी सामान्य प्रशासन विभाग कर रहा है।

कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं होती है आयोजित–प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती पीएससी के माध्यम से होती है। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं, वैसे-वैसे दोनों एजेंसियां अपने कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं आयोजित करती हैं।

बार-बार फीस और परीक्षा देनी पडती है–इसमें न केवल अधिक समय लगता है बल्कि अभ्यर्थियों को बार-बार फीस और परीक्षा देनी पडती है। एजेंसियों को भी हर परीक्षा के लिए मानव संसाधन से लेकर अन्य व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने भर्ती परीक्षाओं की व्यवस्था को परिवर्तित करने के निर्देश दिए थे। इसके अनुरूप सामान्य प्रशासन विभाग ने पीएससी और कर्मचारी चयन मंडल की परीक्षाओं के साथ विभागीय भर्ती नियम सहित अन्य प्रक्रियाओं में परिवर्तन का खाका तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा ही तरह की परीक्षा से विभिन्न श्रेणी के उपलब्ध पदों के लिए मेरिट के हिसाब से चयन किया जाएगा।

एक बार बनाई जाएगी प्रतीक्षा सूची–विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभ्यर्थियों से आवेदन के समय विकल्प मांगे जाते हैं। मेरिट के हिसाब से यदि उसका चयन दो पदों के लिए हो जाता है और ऐसे में वह जिस पद का चयन करता है तो दूसरा पद प्रतीक्षा सूची वाले को मिल जाएगा। प्रतीक्षा सूची एक बार बनाई जाएगी। पद उपलब्ध होते ही इस सूची के अभ्यर्थी को मौका मिलता रहेगा। दरअसल, अभ्यर्थी एक साथ कई परीक्षाएं देते हैं और अलग-अलग पद पर चयन होने पर वे किसी एक सेवा का चयन करते हैं। ऐसे में अन्य पद रिक्त रह जाते हैं।

नियम से लेकर परीक्षा का ब्योरा रहेगा ऑनलाइन–सूत्रों का कहना है कि पारदर्शिता के लिए नियम से लेकर परीक्षा का पूरा ब्योरा ऑनलाइन रहेगा। अभी पीएससी के माध्यम से होने वाली परीक्षा में कई बातें सार्वजनिक नहीं की जाती हैं, जिससे अभ्यर्थी कोर्ट चले जाते हैं। परीक्षा परिणाम या चयन सूची पर रोक लगा जाती है। पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आगे ऐसा न हो, इसके लिए सभी जानकारियां ऑनलाइन की जाएंगी ताकि किसी को सूचना के अभाव में कोई संदेह न रहे।

एक जैसे होंगे विभागों के भर्ती नियम–विभागों के भर्ती नियम भी अब एक जैसे होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ही इन्हें बनाकर अधिसूचित करने के लिए देगा। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है ताकि एकरूपता रहे। इसमें समान प्रकृति के पदों के लिए एक जैसे नियम हो जाएंगे। साथ ही यह लाभ भी होगा कि परीक्षा कराने वाली एजेंसियों को विज्ञापन निकालते समय विभागीय भर्ती नियम के लिए परेशान नहीं होना पडेगा और समय पर विज्ञापन जारी हो जाएंगे।

दो-ढाई लाख पदों पर होंगी भर्तियां–प्रदेश में आगामी दो-तीन साल में दो से ढाई लाख सरकारी पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें रिक्त पदों के साथ पदोन्नति होने पर खाली होने वाले पद भी शामिल हैं। ये सभी पद समयसीमा में भर जाएं, इसके लिए चयन प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन किया जा रहा है।

बार-बार नहीं देनी होगी परीक्षा–मुख्यमंत्री की मंशा है कि परीक्षाएं समय पर और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। विवाद की स्थिति नहीं बननी चाहिए और अभ्यर्थी को बार-बार परीक्षा भी न देनी पडे। इसके लिए नियमों में संशोधन करके पूरी व्यवस्था में ही परिवर्तन किया जा रहा है। प्रयास यह है कि सितंबर तक यह प्रक्रिया पूरी करके जनवरी, 2026 से लागू कर दिया जाए।

संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग

पाक से तनाव के बीच फ्रांस से 63000 करोड़ की डील...

भारत को मिलेंगे 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। भारत विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए फ्रांसीसी रक्षा विनिर्माण कंपनी डसॉल्ट एविएशन से जेट खरीद रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की ओर से खरीद को मंजूरी दिए जाने के तीन सप्ताह बाद इस मेगा डील पर मुहर लगी। अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लगभग पांच साल बाद जेट की डिलीवरी शुरू करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्ते के बीच भारत और फ्रांस ने सोमवार को दिल्ली में 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों के लिए 63 हजार करोड रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन

भी मौजूद थे। इससे पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री खुद हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने वाले थे, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत कारणों से अपनी यात्रा रद्द करनी पडी। हालांकि, हस्ताक्षर समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद मेगा अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक स्वीकृति दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) जेट विमानों के निर्माता डसॉल्ट एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे। राफेल एम जेट आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और मौजूदा मिग-29के बेडे का सहयोग करेंगे। भारतीय वायु सेना पहले से ही 2016 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का बेडा संचालित कर रही है। ये विमान अंबाला और हासीमारा में स्थित हैं। इस नए सौदे से भारत में राफेल जेट विमानों की कुल संख्या बढकर 62 हो जाएगी, जिससे देश के 4।5 पीढी के लडाकू विमानों के बेडे में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय विमानवाहक पोतों, विशेष रूप से आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए 26 राफेल मरीन लडाकू विमानों की तत्काल आवश्यकता है।

मिग-29के लडाकू विमानों के बेडे को हटाने की तैयारी–बता दें कि खराब प्रदर्शन और रखरखाव संबंधी मुद्दों के कारण मिग-29के लडाकू विमानों के मौजूदा बेडे को हटाने की तैयारी की जा रही है। 9 अप्रैल को समिति ने सबसे बडे रक्षा सौदे को दी थी मंजूरी भारत ने इस महीने की शुरुआत में 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक के दौरान 26 राफेल समुद्री लडाकू विमानों के लिए अपने सबसे बडे रक्षा सौदे को मंजूरी दी थी। इस अनुबंध में 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर जेट शामिल हैं, साथ ही बेडे के रखरखाव, रसद सहायता, कर्मियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी घटक निर्माण के लिए एक व्यापक पैकेज भी शामिल है।

एक मिनट में 18 हजार मीटर की उंचाई पर जा सकता है राफेल मरीन–राफेल मरीन विमान एक मिनट में 18 हजार मीटर की उंचाई पर जा सकता है। पाकिस्तान के पास मौजूद ए-16 और चीन के पास मौजूद जे-20 विमानों से राफेल ज्यादा बेहतर है। ये विमान अपनी अपनी उडान वाली जगह से 3700 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकता है। इसको विमानवाहक युद्धपोत के लिए खास तैयार किया गया है। यह दुश्मनों के रडार को चकमा देने में सक्षम है। राफेल विमान हिमालय के ऊपर बेहद सर्द मौसम में भी उड सकता है। इस फाइटर जेट के वजन की बात करें तो राफेल की तुलना में राफेल मरीन का वजन थोडा अधिक है। जानकारी के मुताबिक, इस लडाकू विमान का वजन लगभग 10,300 किलोग्राम है। राफेल विमान के विंग्स मुड नहीं सकते हैं, लेकिन राफेल मरीन के विंग्स पूरी तरह से मुड सकते हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा...

उद्योग मंदिर की तरह हैं, जिससे लाखों लोगों को मिलता है रोजगार

भोपाल, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों का निर्माण किसी मंदिर के बनने की तरह है। उद्योग ऐसे मंदिर हैं जो भगवान की तरह दर्शन जीविका का प्रसाद और आशीर्वाद देते हैं। श्रम शक्ति से लाखों व्यक्तियों को रोजी-रोटी मिलती है। आज के तकनीकी दौर में छोटे देश भी प्रगति कर रहे हैं। युद्धों से विकास में पिछडने वाले देश भी उद्यमशीलता से विकसित हो जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आज बदलते दौर का भारत देख रहे हैं, जहां कई क्षेत्रों में तीव्र प्रगति हो रही है। इंदौर ने उद्योगों के विकास का कीर्तिमान बनाया है, इंदौर आईटी क्षेत्र की राजधानी है।

इंदौर में अतुल पंचशील जैसे उद्योगपति विशिष्ट कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया प्रदेश में पाँच बडे नगरों में इण्डस्ट्री पार्क प्रारंभ किये जा रहे हैं। कोरिया जैसे देश जिनसे भारत का पुराना सांस्कृतिक नाता है, वे भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इच्छुक हैं। आज की कॉन्क्लेव में कोरिया और जापान से भी प्रतिनिधि आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव से लगभग 20 हजार करोड रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 75 हजार रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज के टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन एवं शिलान्यास भी हुए हैं। इसमें से जीआईएस-भोपाल में आईटी सेक्टर में प्राप्त 99 प्रस्तावों में से 25 प्रतिशत का आज भूमि-पूजन हुआ है, जो इस बात का द्योतक है कि हम बस वादे नहीं करते, उन्हें धरातल पर उतारकर भी दिखाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल जिले के बैरसिया में मोबाईल, सेमीकंडक्टर डिवाइस पार्क बनाने वाले प्रतिष्ठान विश्व स्तरीय अधोसंरचना का लाभ प्राप्त करेंगे। लगभग 209 एकड क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के इस मेगा प्रोजेक्ट से बडी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना संभव होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बैरसिया में महत्वपूर्ण निवेश करीब 1500 करोड रुपये का निवेश आकर्षित करने में सफलता मिली है। स्पेस टेक नीति के अंतर्गत यह कार्य होगा। इससे सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में नया दौर सामने आयेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में एग्रीटेक उत्कृष्टता केन्द्र बनेगा। ड्रोन तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आयेगा। परदेशीपुरा आईटी पार्क से नई संभावनाएँ विकसित होंगी। इंदौर आईटी क्षेत्र की नई राजधानी बन गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गयी 18 उद्योग हितैषी नीतियों का लोकार्पण किया था। ये नीतियाँ उद्योगों के विकास में उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में अद्भूत कार्य किया है। उनके विकसित भारत2047 के संकल्प के अनुसार मध्यप्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। जीआईएस-भोपाल से उद्योग स्थापना के सभी रिकार्ड टूटे हैं। उद्योगपति स्वयं यह कह रहे हैं कि मध्यप्रदेश में एक माह में उद्योग लगाने का कार्य संभव हुआ है।

कांग्रेस नेता मरमट की देह पंच तत्व में विलीन

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस नेता एवं कुमावत समाज के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार मरमट का रविवार को हृदयघात से निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा हनुमान नगर मंदसौर से सोमवार सुबह मुक्तिधाम के लिए निकली। अन्तिम यात्रा में परिजनों, स्नेहीजनों के साथ सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक क्षेत्र के लोगों ने बडी संख्या में भागीदारी की। उनके पुत्र पुष्कर मरमट ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके निवास पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर की ओर से अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा, छगनलाल साहू, सुरेन्द्र कुमावत, राजेन्द्र कुमावत, राज नारायण लाड ने कांग्रेस पार्टी का ध्वज समर्पित कर उन्हे अंतिम बिदाई दी। अंतिम यात्रा में विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विपिन जैन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा, कांग्रेस नेता सुरेन्द्र कुमावत, छगनलाल साहू, राजेन्द्र कुमावत, राज नारायण लाड, मुन्नालाल हरवा, पत्रकार संजय वर्मा, राजेश पाठक, भाजपा नेता कान्हजी पटेल, राजेश नामदेव, कपिल पंवार, नरेन्द्र बंधवार, विजय कुमावत आदि ने शामिल होकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। जितेन्द्र सिंह राणा, राजेश सिंह धाकरे, हितेंद्र भाटी, श्याम कुमावत, हेमंत कुमावत सहित बडी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

नापतौल विभाग ने प्रदेश में सर्वाधिक अर्थदण्ड वसुला

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नापतौल विभाग निरीक्षक द्वारा बताया गया की नियंत्रक नापतौल विभागभोपाल और कलेक्टर जिला मंदसौर द्वारा समय समय पर दिये निर्देशों के पालन में, भारत भूषण, निरीक्षक जिला मंदसौर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल राजस्व 59,15,745 रूपये प्राप्त किया गया। जिसमें नापतौल उपकरणों के सत्यापन एवं मुद्रांकन से राजस्व 34,44,290 रूपये प्राप्त किया और पैकेज वस्तुओ में अनियमित्ताऐ पाये जाने पर कुल 177 अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये जिसमें जुर्माना/ अर्थदण्ड के रूप में 24,08,900 रूपये वसुला गया जो मध्यप्रदेश राज्य में वसुला गया जुर्माना/ अर्थदण्ड सर्वाधिक है। पिछले वित्तिय वर्ष से इस वित्तिय वर्ष में कुल राजस्व 5,87,255 रूपये अधिक प्राप्त किया गया।

एक दिन में 370 राजस्व प्रकरण निराकृत

नीमच, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व अधिकारियों द्वारा सोमवार को चलाए गए विशेष अभियान के तहत आरसीएम एस पर दर्ज कुल 370 प्रकरणों का निराकरण किया है। इस विशेष अभियान के तहत सोमवार को जिले मे सीमांकन के 137 प्रकरण, नामांतरण के 173 प्रकरण, बटवारे के 28 प्रकरण, अभिलेख दुरुस्ती के 8 प्रकरण, व्यपवर्तन के 14 प्रकरणों का निराकरण किया गया है।साथही 10 प्रकरण वरिष्ठन्यायालय द्वारा निराकृत किए गए है।

मुख्यमंत्री ने मंदसौर जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर जिले के नारायणगढ थाना क्षेत्र में हुए भीषण सडक हादसे में गहरे कुएं में कार गिर जाने से 12 लोगों की असामयिक मृत्यु का दुखद समाचार मिला है। स्थानीय प्रशासन ने बचाव कार्य करते हुए हादसे में हुए घायलों को इलाज हेतु नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को 2-2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और सामान्य रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को शांति प्रदान कर अपने श्रीचरणों में स्थान दें। दुख की इस घडी में परिवारजन को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

प्रदेश में कक्षा एक से 12वीं तक 72 लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन

मंदसौर, 28 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अब तक कक्षा एक से 12वीं तक लगभग 72 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थी निर्धारित कक्षाओं में अपना नामांकन दर्ज करवा चुके हैं। वहीं कक्षा 5 उत्तीर्ण करने वाले लगभग 5 लाख विद्यार्थी कक्षा में 6 में तथा कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले करीब 4 लाख 84 हजार से अधिक विद्यार्थी कक्षा 9 में प्रवेश ले चुके हैं। कक्षा एक से 8वीं तक में लगभग 59 लाख 66 हजार से अधिक एवं कक्षा 9 से 12वीं में 12 लाख 73 हजार से अधिक विद्यार्थी अभी तक नये शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 में प्रवेश ले चुके हैं।प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू हुए नये शैक्षणिक सत्र में अब तक लगभग एक लाख 62 हजार से अधिक बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हो चुका है। इनमें से लगभग एक लाख से अधिक बच्चों के अभिभावकों ने उनका प्रवेश शासकीय विद्यालयों में कराया है। शेष करीब 35 हजार बच्चे निजी विद्यालयों की कक्षा एक में प्रवेश ले चुके है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष तक स्कूल चलें हम अभियान का संचालन जून माह में किया जाता था जिसे इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक अप्रैल से ही संचालित किया गया है।

एज्युकेशन पोर्टल 3.0 से मॉनिटरिंग–स्कूल चलें हम अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के नामांकन के लिए एज्युकेशन पोर्टल 3.0 का एक अप्रैल को लोकार्पण किया था। पोर्टल के माध्यम से शालाओं में कक्षावार नामांकन की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। नामांकन का कार्य सतत प्रगति पर है तथा अधिकांश चिन्हित बच्चे निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश ले रहे हैं।

कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची की उपलब्धता से सहजता–इस वर्ष समय डेटा के आधार पर कक्षा एक में प्रवेश के लिये योग्य बच्चों की ग्राम और वार्ड वार सूची भी शिक्षकों को पहले से ही उपलब्ध कराई गई है। जिससे शिक्षकों के द्वारा इन बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर शाला प्रवेश कार्य में सुविधा हो रही है।

परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा–प्रदेश में परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा माह अप्रैल में ही की गई है। इस वजह से आशाजनक कक्षावार नामांकन का एक प्रमुख कारण यह भी है। प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के अलावा अन्य सभी कक्षाओं की स्थानीय परीक्षाओं और कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्डपेटर्न परीक्षाओं के परिणाम भी इस वर्ष मार्च अंत तक घोषित किये जा चुके हैं, जिससे विद्यार्थियों के द्वारा आगामी कक्षाओं में समय से प्रवेश लिया जा रहा है।

नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण–स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष नवीन सत्रारंभ की पूर्व तैयारी इस प्रकार की जिसमें प्रथम दिवस एक अप्रैल से ही कक्षा शिक्षण में कोई कठिनाई नहीं हुई। इस के लिये योजना तैयार कर एक अप्रैल के पहले ही नवीन सत्र की पाठ्य पुस्तकें विद्यालयों तक पहुंचाई गई। नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण इस वर्ष एक अप्रैल से ही प्रारंभ हुआ। अद्यतन स्थिति में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक पाठ्य पुस्तकें शालाओं में उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र में नि:शुल्क गणवेश एवं नि:शुल्क साईकिल वितरण भी जुलाई माह तक पूर्ण करने का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

❊ शव यात्रा ❊

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि स्व. हीरालाल जी के पुत्र, पुरूषोत्तम जी, स्व. लक्ष्मीनारायणजी के भतीजे, स्व.रघुनन्दनजी, घनश्याम, संजय, पंकज के बडे भाई, आरूष के बडे पापा एवं संतोष (दादू) के पुजनीय पिता जी श्री दिलीप जी बारोड (मुन्ना भाई) तेलवाले का आकस्मिक स्वर्गवास सोमवार दिनांक 28/04/2025 को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा आज दिनांक 29/04/2025 को प्रात: 8.00 बजे निज निवास सत्यम विहार, श्री जी पार्क के पास मंदसौर से शव वाहन द्वारा निकाली जावेगी।

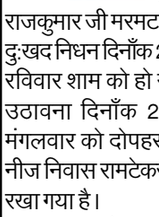

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
बारोड़ परिवार, मंदसौर

❊ उठावना ❊

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है की स्व.लक्ष्मीनारायण जी मरमट कुमावत (रेवास देवडा वाले)के पुत्र, पुष्कर राज मरमट के पुज्य पिताजी, रुद्रराज के दादाजी एवं कांग्रेस नेता श्री राजकुमार जी मरमट (कुमावत) का दु:खद निधन दिनाँक 27-4-2025 रविवार शाम को हो गया है जिनका उठावना दिनाँक 29-4-2025 मंगलवार को दोपहर 12.15 बजे नीज निवास रामटेकरी हनुमान नगर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
पुष्कराज मरमट, रुद्रराज मरमट कुमावत, मरमट परिवार रेवास देवडा/मन्दसौर

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (म.प्र.)

नामान्तरण –सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल की आवासीय कालोनी इन्दिरा नगर, नीमच स्थित भवन क्रमांक एम- 4 का विक्रय-विलेख मण्डल द्वारा दिनांक 15-05-1998 को श्रीमती उषा नीमा पति घनश्याम नीमा, निवासी नीमच के नाम पर किया गया था। इनकी मृत्यु दिनांक 03-05-2024 को हो जाने से उक्त भवन का नामांतरण इनके पुत्र श्री निलेश नीमा पिता घनश्याम नीमा निवासी नीमच के नाम पर किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु इनके द्वारा आवश्यक दस्तावेज, परिवार का सहमति पत्र आदि प्रस्तुत किये गये है।

अत: इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो/उर्ज हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस की अवधि में मय ठोस प्रमाण के मण्डल में प्रस्तुत करे। समय अवधि पूर्ण होने के उपरान्त उक्त भवन का नामान्तरण श्री निलेश नीमा पिता घनश्याम नीमा के नाम पर कर दिया जावेगा एवं उसके पश्चात कोई दावा आपति मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, संभाग रतलाम

नामान्तरण –सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल की आवासीय कालोनी इन्दिरा नगर, नीमच स्थित भूखण्ड क्रमांक J-148 का नामान्तरण मण्डल द्वारा दिनांक 26.10.2006 को श्रीमती उमा देवड़ा पति श्री गोविन्द सिंह देवड़ा, निवासी नीमच के नाम पर किया गया था। इनके द्वारा भूखण्ड का विक्रय पत्र दिनांक 09.10.2017 को श्री बसन्त शर्मा पिता श्री मांगीलाल शर्मा, निवासी नीमच के पक्ष में उप पंजीयक कार्यालय नीमच में पंजीयन करवाया गया था तथा इनके द्वारा पुन: उक्त भूखण्ड का विक्रय पत्र दिनांक 28.08.2023 को श्री रवि कुमार शर्मा पिता श्री रमेश चन्द्र शर्मा निवासी नीमच के पक्ष में उप पंजीयक कार्यालय नीमच में पंजीयन करवाया गया है। जिसके आधार पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण इनके नाम पर किया जाना है। इस हेतु इनके द्वारा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है।

अत: इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो/उर्ज हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस की अवधि में मय ठोस प्रमाण के मण्डल में प्रस्तुत करे। समय अवधि पूर्ण होने के उपरान्त उक्त भूखण्ड क्रमांक J-148 इंदिरा नगर, नीमच का नामान्तरण श्री रवि कुमार शर्मा पिता श्री रमेश चन्द्र शर्मा निवासी नीमच के नाम पर कर दिया जावेगा एवं उसके पश्चात कोई दावा आपत्ति मान्य नही होगा।

सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in